

POLITICAL SCIENCE - 2 (Hons.) (2018)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें जिसमें प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें :
 - (a) प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन के प्रमुख स्रोत हैं :
 - (i) वेद
 - (ii) महाभारत
 - (iii) उपनिषद्
 - (iv) उपर्युक्त सभी
 - (b) कौटिल्य इस नाम से भी जाना जाता है :
 - (i) चाणक्य से
 - (ii) चन्द्रगुप्त से
 - (iii) विष्णुगुप्त से
 - (iv) (i) या (ii) से
 - (c) 'वेदों की ओर लौटो' का नारा किसने दिया ?
 - (i) सावरकर
 - (ii) दयानन्द
 - (iii) विवेकानन्द
 - (iv) तिलक
 - (d) स्वामी विवेकानन्द की अवधि है :
 - (i) 1863-1905
 - (ii) 1863-1906
 - (iii) 1863-1902
 - (iv) 1863-1904
 - (e) रामकृष्ण मिशन की स्थापना हुई थी :
 - (i) 1893 ई. में
 - (ii) 1896 ई. में
 - (iii) 1897 ई. में
 - (iv) 1895 ई. में
 - (f) किसने कहा, "स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" ?
 - (i) महात्मा गाँधी
 - (ii) विपिन चन्द्र पाल
 - (iii) लाला लाजपत राय
 - (iv) बाल गंगाधर तिलक
 - (g) 'भारत सेवक संघ' की स्थापना की थी :
 - (i) महात्मा गाँधी ने
 - (ii) गोपाल कृष्ण गोखले ने
 - (iii) जय प्रकाश नारायण ने
 - (iv) आर. एम. लोहिया ने
 - (h) महात्मा गाँधी के 'राजनीतिक गुरु' कौन थे ?
 - (i) तिलक
 - (ii) अरबिन्द
 - (iii) गोखले
 - (iv) कौटिल्य
 - (i) 'पांडिचेरी का सन्त' किसे कहा जाता है ?
 - (i) अरबिन्द घोष
 - (ii) जे. के. राय
 - (iii) विपिन चन्द्र पाल
 - (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं
 - (j) 'माई एक्सपेरिमेंट्स विथ ट्रूथ' पुस्तक के रचयिता कौन हैं ?
 - (i) नेहरू
 - (ii) तिलक
 - (iii) महात्मा गाँधी
 - (iv) लोहिया
2. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन के अध्ययन के प्रमुख स्रोतों की विवेचना करें।
3. कौटिल्य के मण्डल सिद्धान्त का विश्लेषण करें।
4. स्वामी दयानन्द सरस्वती के सामाजिक एवं धार्मिक विचारों का वर्णन करें।
5. गोपाल कृष्ण गोखले के राजनीतिक विचारों का मूल्यांकन करें।
6. "वर्तमान संदर्भ में गाँधीवाद अधिक-से-अधिक प्रासंगिक होता जा रहा है।" व्याख्या करें।
7. एम. एन. राय के 'नव मानवतावाद सिद्धान्त' की व्याख्या करें।
8. वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था के विषय में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के विचारों की समीक्षा करें।
9. लोहिया के राजनीतिक एवं सामाजिक विचारों का विश्लेषण करें।
10. पाश्चात्य संसदात्मक प्रजातंत्र पर जय प्रकाश नारायण के दृष्टिकोण की विवेचना करें।